महत्वपूर्ण एवं खास

स्कूलों में 4 सितम्बर को होगा निशुल्क आयुष्मान पंजीयन शिविर

सारंगढ़ बिलाईगढ़। जिले के स्कूलों में 4 सितम्बर को निशुल्क आयुष्मान पंजीयन महाअभियान शिविर आयोजित किया जाएगा। बिलाईगढ़ ब्लॉक के ग्राम सिंगीटार, गाताडीह, चोरभट्टी, जोगीडीपा के शासकीय स्कूल में, सारंगढ़ ब्लॉक के ग्राम गाताडीह, कुटेला, परसकोल, सिंघनपुर, बरदुला, लेन्धा, सारंगढ़, सिरोली, केडार, बीरसिंघडीह, अन्डोला के शासकीय स्कूल में, सीपीएम स्कूल रायगढ़ रोड सारंगढ़, बरमकेला ब्लॉक के ग्राम सकरतुंगा, कोतरा, सांकरा, खिचरी, मानिकपुर, धनीगांव, गौरडीह, कर्राढोढी, बुदबुदा, केंदवाही बार के शासकीय स्कूल में, कन्या शाला हायर सेकेण्डरी स्कूल बरमकेला सहित ग्राम कटंगपाली-अ के बाबा रूपधर दास स्कूल में निशुल्क आयुष्मान शिविर का आयोजन किया जाएगा।

शासकीय आईटीआई में प्रवेश हेतु ऑनलाइन आवेदन अब 8 सितम्बर तक आमंत्रित

सारंगढ़ बिलाईगढ़। राज्य के सभी शासकीय आईटीआई में शैक्षणिक सत्र 2024-25 एवं 2024-26 में प्रवेश के लिए पूर्व में जो अभ्यर्थी आवेदन करने से वंचित रह गए हैं, उन्हें अवसर प्रदान किया गया है। अभ्यर्थी अब 4 सितंबर 2024 से 8 सितंबर 2024 तक अपना आवेदन पोर्टल में रजिस्ट्रेशन कर सकते हैं। ऑनलाइन आवेदन पत्र रजिस्ट्रेशन हेतु पोर्टल सीजीआईटीआई डॉट सीजीस्टेट डॉट जीओवी डॉट इन cgiti.cgstate.gov.in है। 04 सितंबर से 8 सितंबर तक प्रवेश हेतु नवीन रजिस्टर्ड आवेदनों एवं पूर्व में प्राप्त आवेदनों में से शेष आवेदनों की संयुक्त ग्रामीण सूची के आधार पर चयन सूची जारी किया जाएगा, जिसके आधार पर आईटीआई में प्रवेश की कार्यवाही की जायेगी।

भारी बारिश से ट्रेनों की पटरियां जलमग्न, कई रेल गाड़ियों के मार्ग बदले

बिलासपुर (आरएनएस)। भारी बारिश के चलते देश के कई हिस्सों में जनजीवन अस्त-व्यस्त है। इससे सडक़ मार्ग के अलावा ट्रेन मार्ग भी प्रभावित हुई है। पटरियों पर जल भराव के चलते कई ट्रेनों के मार्ग में परिवर्तन किया गया है। जिससे यात्रियों को काफी तकलीफों का सामना करना पड़ रहा है। पटरियों पर जल भराव के के चलते दक्षिण मध्य रेलवे के कई रेलवे ट्रेक पर पानी भर गया है। जिसके कारण रेलवे को 18 ट्रेनों के मार्ग में परिवर्तन करना पड़ा है। अब यात्री बदले हुए मार्ग से गंतव्य तक पहुंचेंगे। यदि बीच के किसी स्टेशन में गंतव्य है तो फिर उन्हें ट्रेन के मार्ग बदलने के चलते सडक़ मार्ग से यात्रा करनी पड़ेगी।

डूमरतराई में जमकर प्रदर्शन, सड़ी गली सब्जियां फेंकने से मोहल्ले वाले परेशान

रायपुर (आरएनएस)। श्रीराम थोक सब्जी मंडी डूमरतराई के बाहर स्थानीय रहवासी प्रदर्शन पर उतर आए। पुरूषों के साथ महिलाएं और छोटे बच्चे भी शामिल हुए। ये सभी प्रशासन विरोध में नारे बाजी करते रहे। वर्धमान नगर के रहवासी कॉलोनी के रास्ते पर अवैध पार्किंग, अवैध कब्ज़ा और सडक़ किनारे सड़ी गली सब्जियां फेकने से हो रही गंदगी से परेशान हैं। हाथों में पोस्टर लिए ये लोग नगर निगम के विरोध में नारे लगा रहे । इनका कहना है कि सुबह 4 बजे से दोपहर 12-1बजे तक सब्जियों से भरे ट्रक, मेटाडोर, छोटा हाथी, आटो वर्धमान नगर से लेकर हिमालयीन हाइट्स तक अवैध रूप से पार्क किए जाते हैं । और सड़ी गली सब्जियों फेंके जाने से उनकी बदबू किसी ट्रेचिंग ग्राउंड से अधिक बदबू आती है। इससे इलाके के लोगों को आवाजाही में दिक्कत होती है। इनके ड्राइवर कंडक्टर वहीं अवैध रूप से शराब,गांजा आदि पीकर प्रदूषण फैलाते है। और आपसी मारपीट कर अशांति फैलाते है। इससे लोगों खासकर महिलाओं की सुरक्षा पर हमेशा खतरा डर बना रहता है। रहवासियों ने कलेक्टर के नाम पत्र भी लिखा है।

एमआरयू के वैज्ञानिकों ने विकसित किया बायोमार्कर किट

कोविड-19 के प्रारंभिक चरण में ही लगा सकती है बीमारी की गंभीरता का अनुमान

रायपुर । आरएनएस

देश में स्वास्थ्य अनुसंधान अधोसरंचना को विकसित एवं सुदृढ़ करने के उद्देश्य से डॉ. भीमराव अम्बेडकर स्मृति चिकित्सालय रायपुर में स्थापित मल्टी-डिसिप्लिनरी रिसर्च यूनिट (एमआरयू/बहु विषयक अनुसंधान इकाई) के वैज्ञानिकों की टीम ने ऐसा बायोमार्कर किट विकसित किया है जो कोविड-19 महामारी संक्रमण की गंभीरता का अनुमान प्रारंभिक चरण में ही लगा लेगा। कोविड-19 के प्रारंभिक चरण से प्रारंभ किये गये इस शोध के परिणाम हाल ही में विज्ञान पत्रिका साइंटिफिक रिपोट्र्स में प्रकाशित हुई है जो प्रतिष्ठित नेचर प्रकाशन समूह द्वारा प्रकाशित किया गया है। रिसर्च के क्षेत्र में यह दुनिया का 5वां सबसे अधिक संदर्भित किया जाने वाला रिसर्च जर्नल है।

महामारी की शुरुआत में, जबकि देश के कई प्रमुख वैज्ञानिक नए कोविड-19 डायग्नोस्टिक टेस्ट किट विकसित करने में जुटे हुए थे, रिसर्च पब्लिकेशन के करेस्पोंडिंग लेखक(प्रिंसिपल इन्वेस्टिगेटर) डॉ. जगन्नाथ पाल (एमबीबीएस, पीएचडी, हार्वर्ड कैंसर संस्थान (बोस्टन यूएसए) से पोस्टडॉक. की उपाधि प्राप्त) वरिष्ठ वैज्ञानिक, एमआरयू, ने कोविड-19 महामारी के प्रबंधन के उपरोक्त बुनियादी मुद्दे की दिशा में विचार करना शुरू किया, जो भविष्य में किसी भी महामारी की स्थिति से निपटने के लिए भी उपयोग में आ सकता है।

कोविड-19 प्रोग्नोस्टिक बायोमार्कर किट (प्रारंभिक स्तर में रोग की गंभीरता का पूर्वानुमान) को विकसित करने वाले प्रमुख वैज्ञानिक एवं टीम लीडर डॉ. जगन्नाथ पाल के अनुसार, कोरोना महामारी के प्रारंभिक चरण में संसाधन एवं एंटी-वायरस दवाओं का बहुतायत मात्रा में प्रयोग हुआ, जिससे गंभीर दवा संकट के साथ-साथ रेमडेसिवीर जैसी जीवन रक्षक दवाओं का संकट भी उत्पन्न हुआ। शुरुआती चरण में यह पता लगाना मुश्किल होता था कि किन कोरोना रोगियों को मेडिकल की अग्रिम सुविधा की आवश्यकता है अथवा नहीं ? इसलिए पूर्वानुमानित परिणाम के आधार पर रोगियों के संक्रमण की गंभीरता को अलग-अलग श्रेणी में विभाजन करना आवश्यक था जिससे कि इन संसाधनों का गंभीर कोरोना रोगियों में उपयोग किया जा सके, परन्तु उस समय कोई भी ऐसा टेस्ट/जांच उपलब्ध नहीं था जिससे कि प्रारंभिक चरण में ही कोरोना रोगियों की गंभीरता का पता चल सके।

तीन साल के अथक परिश्रम से मिली सफलता

डॉ. पाल के नेतृत्व में एमआरयू रिसर्च टीम ने उपलब्ध सीमित संसाधन का उपयोग करके इस दिशा में काम करना शुरू किया और अंतत: बायोमार्कर किट विकसित करने में सफलता हासिल कर ली, जिसका उपयोग करके कोरोना के गंभीरता की भविष्यवाणी प्रारंभिक चरण में ही की जा सकती है। इस शोध कार्य में वैज्ञानिकों ने क्यू पीसीआर (क्तह्वड्डठ्ठह्लद् बह्लड्डह्लद्ब1द्ग क्कष्टक्र) आधारित टेस्ट का उपयोग करके एक सीवियरिटी स्कोर विकसित किया जिनकी संवेदनशीलता 91 प्रतिशत और विशेषता 94 प्रतिशत है। इस शोध दल में एक अन्य एमआरयू वैज्ञानिक डॉ. योगिता राजपूत, पेपर की पहली लेखिका ने विभिन्न विभागों के अन्य बहु-विषयक योगदानकर्ताओं के साथ समन्वय करते हुए चुनौतीपूर्ण परियोजना को मूर्त रूप में लाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

डॉ. पाल के आविष्कार के संभावित व्यावसायिक मूल्य को ध्यान में रखते हुए पं. जे.एन.एम मेडिकल कॉलेज ने भारतीय पेटेंट के साथ- साथ अंतर्राष्ट्रीय पेटेंट के लिए भी आवेदन किया है। डॉ. पाल के अनुसार, हाल ही में अमेरिका की पेटेंट सर्च एजेंसी ने अमेरिका में आविष्कार के संभावित व्यावसायिक महत्व को दर्शाते हुए उत्साहजनक रिपोर्ट प्रदान की है। इसका मतलब है कि भारत की आर्थिक वृद्धि में योगदान देने वाली चिकित्सा प्रौद्योगिकी को विदेशों में निर्यात करने का अवसर हमें मिल सकता है। एमआरयू का रिसर्च हमारे देश के प्रधानमंत्री के मेक इन इंडिया अभियान को भी बरकरार रखेगा। आम धारणा के विपरीत कि इस तरह के टेक्नोलॉजी के अविष्कार के लिए बड़े बुनियादी ढांचे, बड़े धन और जनशक्ति की आवश्यकता होती है। सफलता की कहानी संसाधन सीमित केंद्रों में काम करने वाले कई शोधकर्ताओं के लिए एक प्रेरक उदाहरण भी है। पं. जे.एन.एम मेडिकल कॉलेज की उपलब्धि एक उत्साहजनक उदाहरण स्थापित करेगी कि एक राज्य संचालित मेडिकल कॉलेज समय की आवश्यकता को पूरा करने के लिए मेडिकल टेक्नोलॉजी विकसित कर रहा है और इसके व्यावसायीकरण में भी अपना योगदान दे रहा है।

टोनही प्रताड़ना के शक में पति पत्नी ने की वृद्ध महिला की हत्या

बलरामपुर रामनुजगंज । आरएनएस

जादू टोना के संदेह पर 70 वर्षीय बुजुर्ग महिला की हत्या कर साक्ष्य छूपाने वाले आरोपी पति-पत्नी गिरफ्तार।घटना के 2 माह बाद ग्राम इदरिकला के पहाड़ी जंगल मे मिली थी मृतिका के शरीर की कुछ हड्डियां।

थाना चांदो में सूचना प्राप्त होने पर संभावित मृतिका के पुत्र के रिपार्ट पर मर्ग कायम कर की गई जांच।

मर्ग जांच पर डीएनए जांच से हुई मृतिका सुखनी देवी की पहचान।

घटना का संक्षिप्त विवरण इस प्रकार है कि जनवरी 2024 में थाना चांदो में प्रार्थी रामलाल किसान निवासी ग्राम सरुवत झारखंड के द्वारा उपस्थित आकर रिपोर्ट दर्ज कराया गया कि उसके गांव के सीमावर्ती छतीसगढ़ सीमा में ग्राम इदरिकला के पहाड़ी में मानव हड्डियां मिली है जो करीबन 02 माह पहले लापता हुई उसकी माँ की हो सकती है। प्राप्त सूचना पर थाना चांदो में संभावित मृतिका प्रार्थी की माँ सुखनी देवी की मृत्यु के संबंध में मर्ग क्रमांक 01/2024 धारा 174 द.प्र.सं. पंजीबद्ध कर जांच कार्यवाही में लिया गया। मार्ग जांच के दौरान घटनास्थल के पास से बरामद मानव हड्डियों का विधिवत डीएनए परीक्षण करवाया गया जिसमें उक्त हड्डियां मृतिका सुखनी देवी उम्र 70 वर्ष का होना पाया गया। जांच के दौरान गवाहों के कथन पर मृतिका के पड़ोसी (1) कवलदेव नगेसिया पिता नन्हेसर उम्र 40 वर्ष (2) बजंती पति कवलदेव उम्र 35 वर्ष दोनों निवासी ग्राम सरुवत झरखंड के द्वारा डायन टोनही के शक में हत्या कारित कर साक्ष्य छिपाने के उद्देश्य से मृतिका के शव को छिपा देना पाए जाने पर उक्त दोनी आरोपी पति पत्नी के विरुध्द दिनांक 2/09/2024 को अपराध क्रमांक 40/2024 धारा 302, 201, 34 भादवि पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया। अपराध पंजीबद्ध होने के उपरांत प्रकरण की गंभीरता को ध्यान में रखते हुए श्रीमान पुलिस अधीक्षक बलरामपुर राजेश अग्रवाल के निर्देशानुसार एवं श्रीमान अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक (ऑप्स) शैलेन्द्र पांडेय के सतत मार्गदर्शन एवं पर्यवेक्षण में अपराध पंजीबद्ध होने के तत्काल बाद आरोपीगणों को हिरासत में लेकर घटनाक्रम में तकनीकी आधारों पर पूछताछ किया गया जो घटना कारित करना स्वीकार करते हुए बताए कि पिछले 2-3 वर्षो के दौरान उनके तीन बच्चों की अचानक अज्ञात कारणों से मृत्यु हो गयी थी जिससे दोनों पति पत्नी को मृतिका के ऊपर संदेह था कि वह जादू टोना करके उसके बच्चों को मार रही है और पिछले वर्ष नवंबर माह में जब मृतिका महिला सुखनी देवी किसी काम से पहाड़ी रास्ते से ग्राम इदरिकला आ रही थी तब आरोपी महिला बजंती के द्वारा मृतिका के सिर में पहले पत्थर से हमला कर घायल कर दी फिर गला दबाकर उसकी हत्या कर दी उसके बाद आरोपी महिला बजंती देवी अपने पति कवलदेव के साथ साक्ष्य छिपाने के लिए मृतिका के शव को घटनास्थल से लगभग 100 मीटर दूर ले जाकर झाडिय़ों के नीचे छिपा दिए थे। आरोपीगण के विरूद्ध पर्याप्त साक्ष्य पाए जाने से दिनांक 02/09/2024 को ही आरोपी पति पत्नी को गिरफ्तार कर माननीय न्यायालय के समक्ष पेश किया गया जहां से न्यायिक रिमांड प्राप्त कर जेल दाखिल कर दिया गया है।

प्रवासी पक्षियों का दुश्मन बने बिज्जुओं को पकड़ने की कवायद जारी

कोरबा । आरएनएस

जिले के कनकीधाम गांव में प्रवासी पक्षियों एशियन बिल ओपन स्टार्क के जान की दुश्मन बने कबर बिज्जुओं को पकडने के कवायद में वन विभाग की टीम लगातार जुटी हुई है। लेकिन इसमें उसे सफलता नहीं मिल पा रही है। क्षेत्र में मौजूद बिज्जुओं को पकडने के लिए विभाग जाल बिछा रखा है लेकिन इसमें वे फंस नहीं रहे हैं और प्रवासी पक्षियों के बच्चों को लगातार नुकसान पहुंचा रहे हैं।

बीती रात क्षेत्र में सक्रिय बिज्जुओं ने प्रवासी पक्षियों के चार बच्चों को फिर घोंसले से नीचे गिरा दिया था लेकिन उसे कोई नुकसान नहीं पहुंचाया। पेड़ से नीचे गिरे एशियन बिल ओपन स्टार्क के बच्चों को फिर से वापस घोंसले में डाल दिया गया है। इससे पहले कबर बिज्जुओं ने पिछले 4-5 दिनों से सक्रियता दिखाते हुए पेड़ों पर चढकर प्रवासी प्रक्षियों के बच्चों को काटने के साथ उन्हें मार भी देते थे। कबर बिज्जुओं की इस करस्तानी से चार दर्जन से अधिक प्रवासी पक्षियों के बच्चों की जान चली गई थी। ग्रामीणों द्वारा इसकी जानकारी दिए जाने पर वन अमला उसकी सुरक्षा के लिए सक्रिय हुआ और निगरानी करने के साथ ही कबर बिज्जुओं को पकडने के लिए कवायद शुरू किया है।

कबीरधाम जिले के 59 मेघावी छात्राओं के हौसलों को मिली उड़ान

कवर्धा । आरएनएस

कबीरधाम जिले के 59 मेघावी छात्राओं के हौसलों को मिली उड़ान मिली है। उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा ने कबीरधाम जिले के प्रवास के दौरान जिले के 59 मेघावी विद्यार्थियों को स्वेच्छा अनुदान से 3 लाख 45 हज़ार का चेक प्रदान किया। इसमे कक्षा दसवीं के 49 मेघावी विद्यार्थी को 5-5 हजार रुपए की प्रतिमान से 2 लाख 45 हजार रुपए और कक्षा बारहवीं की 10 मेघावी विद्यार्थियों को 10-10 हजार रुपए की प्रतिमान से 1लाख रुपए का चेक प्रदान किया। उपमुख्यमंत्री शर्मा ने कलेक्ट्रेट के सभा कक्ष में आयोजित एक कार्यक्रम में चेक प्रदान किया।

उपमुख्यमंत्री शर्मा ने विद्यार्थियों को आगे बढऩे और आईएएस, आईपीएस, राज्य प्रशासनिक के उच्च पदों और डॉक्टर, इंजीनियर के क्षेत्रों में बेहतर कैरियर निर्माण के लिए मनोबल बढ़ाया। उन्होंने विद्यार्थियों को आगे बढऩे की सीख दी और कहा कि कड़ी मेहनत से ही हम सकारात्मक दिशा में आगे बढ़ सकते है। सफलता की कोई शार्ट कट नही होता। उपमुख्यमंत्री ने कहा की आगे बढऩे के लिए बेहतर संगति भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। हमें नशा से दूर रहना होगा। अच्छी किताबे और साहित्य का नियमित अध्ययन करना चाहिए। इस अवसर पर विद्यार्थियों ने उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा के प्रति आभार व्यक्त कर छत्तीसगढ़ सरकार को धन्यवाद दिया।

कलेक्टर धर्मेश साहू ने श्रीराम लला दर्शन के जत्था को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया

प्रभु रामचन्द्र जी के दर्शन के लिए जिले के श्रद्धालु हुए रवाना

सारंगढ़ बिलाईगढ़

कलेक्टर धर्मेश कुमार साहू ने कलेक्टोरेट परिसर सारंगढ़ से श्रीराम लला दर्शन योजना अंतर्गत चौथे जत्था को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। विगत तीन माह से प्रत्येक माह 30 व्यक्तियों का दल प्रभु श्रीराम के दर्शन के लिए रवाना किया जा रहा है, जिसमें सभी श्रद्धालुओं के देखरेख के लिए एक केयरटेकर के रूप में संलग्न कर भेजा गया है। सभी श्रद्धालुओं को जिले से बिलासपुर रेलवे स्टेशन तक बस से, फिर बिलासपुर से अयोध्या तक रेल से ले जाया जाएगा। वहां प्रभु रामचन्द्र जी के दर्शन के बाद दल की वापसी होगी। इसी क्रम में अयोध्या से बिलासपुर रेल से और बिलासपुर से सारंगढ़ जिला मुख्यालय तक वापसी बस से होगी। यात्रा के प्रारंभ से अंत तक भोजन, बस, रेल आदि की सेवा छत्तीसगढ़ सरकार के योजना के तहत निःशुल्क है। सभी श्रद्धालुओं के रवानगी के पूर्व मेडिकल चेकअप किया गया था। सभी श्रद्धालु नागरिकों ने रवानगी के पूर्व भगवान रामचन्द्र जी का भजन किया। इस अवसर पर गणमान्य नागरिक जुगल किशोर केशरवानी, अमित अग्रवाल, मनोज जायसवाल, समाज कल्याण विभाग के प्रभारी अधिकारी विनय तिवारी, डिप्टी कलेक्टर वर्षा बंसल सहित वरिष्ठ नागरिक अब्बास अली उपस्थित थे।

खतरनाक लोनर हाथी पहुंचा चेपारानी, मचा हड़कंप

कोरबा । आरएनएस

जिले के रलिया व खैरभवना में तीन महिलाओं को एक दिन में मौत की नींद सुलाने वाला खतरनाक लोनर हाथी काफी दिनों तक जांजगीर व बिलासपुर जिले के जंगलों में विचरण करने के बाद फिर कोरबा जिले में पहुंच गया है। वर्तमान में यह लोनर कटघोरा वनमंडल अंतर्गत पाली रेंज के चेपारानी जंगल में विचरण कर रहा है। लोनर के क्षेत्र में पहुंचने से हडकंप मच गया है। जानकारी मिलते ही वन विभाग सतर्क हो गया है और उसका अमला मौके पर पहुंचकर लोनर की निगरानी में जुट गया है। पाली रेंजर संजय लकड़ा ने बताया कि रात 10.30 बजे यह हाथी चेपारानी के जंगल में अमन ढाबा के पीछे खेत में दिखा जो अभी भी वहां पर मौजूद है। उसके करतला, रंगोले व तेंदूभाठा गांव की ओर बढने की संभावना है। ग्रामीणों को अलर्ट कर दिया गया है। पाली के साथ-साथ बिलासपुर वनमंडल की टीम भी लोनर की निगरानी के लिए मुस्तैद है जो लगातार नजर बनाए हुए है। अगर पाली से लगे जंगली इलाकों को पार कर हाथी बिलासपुर की सीमा में प्रवेश करता है तो उसे वहां से भी खदेड़ा जाएगा। लोनर ने चेपारानी जंगल में पहुंचने से पहले रास्ते में चेपा गांव में कई ग्रामीणों के फसल को रौंद दिया है।

हाथी के इस उत्पात से नुकसानी का आंकलन उसे खदेडने के बाद किया जाएगा। बताया जा रहा है कि पिछले महीने कटघोरा वन मंडल के ग्राम रलिया और ग्राम खैरभावना में आतंक मचाकर तीन महिलाओं,मवेशी को मौत के घाट उतारने वाला दंतैल हाथी तीन जिलों की सरहद के भीतर घूम रहा है। कोरबा से निकलकर जांजगीर-चांपा जिले के पंतोरा से लगे छाता जंगल में विचरण करता हाथी बिलासपुर जिले के सीपत और आसपास के क्षेत्र के जंगल में पहुंच गया। अब इस इलाके से लगे जंगल के भीतर से होते हुए पाली क्षेत्र के मुनगाडीह के बाद चेपारानी जंगल में पहुंच गया है। इससे पहले सोमवार को सुबह से सिर्फ इसके पैर के निशान ही नजर आ रहे थे लेकिन देर शाम दंतैल को बगदेवा के जंगल में देखा गया। जंगल में हाथी के नजर आते ही एहतियातन बेलतरा सब स्टेशन से बिजली बंद कर दी गई ताकि हाथी करंट की चपेट में ना आने पाए। अंधेरे में रात भर लोनर की निगरानी की जाती रही। आज सुबह फिर एक बार इसका लोकेशन मिला। जिसमें चेपारानी जंगल में ही लोनर विचरण करते हुए दिखाई दिया।

डीएमएफ से 60 से अधिक नए स्कूल भवन और 10 पीएचसी में बाउण्ड्री-वॉल निर्माण स्वीकृत

विद्यार्थियों को जर्जर स्कूल भवन से मिलेगी मुक्ति, विद्यार्थी एवं शिक्षक खुश

रायपुर । आरएनएस

जिला खनिज निधि (छरूस्न) खनन प्रभावित क्षेत्रों के लिए वरदान साबित हो रही है। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के निर्देश पर सभी जिलों में डीएमएफ से लगातार स्वास्थ्य सुविधा, शिक्षा व्यवस्था एवं जनहित के कार्यों को कराने की पहल की जा रही है। इसी कड़ी में कोरबा जिला प्रशासन द्वारा जर्जर स्कूल भवनों का चिन्हांकन कर नए भवनों के निर्माण की स्वीकृति प्रदान की गई है। कोरबा के कलेक्टर अजीत वसंत द्वारा जिले में 60 से अधिक नए स्कूल भवन निर्माण, अतिरिक्त कक्ष तथा जीर्णोद्धार कार्य के लिए प्रशासकीय स्वीकृति प्रदान की है। इसके साथ ही दस प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों में बाउण्ड्री-वॉल निर्माण की भी मंजूरी प्रदान की गई है। कोरबा जिला प्रशासन द्वारा इस साल फरवरी माह में भी डीएमएफ से 88 नवीन स्कूल भवनों की स्वीकृति प्रदान की गई थी। दूरस्थ, ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों में जर्जर स्कूल भवनों के स्थान पर नए भवन बनने से स्कूल में पढ़ाई करने वाले विद्यार्थियों सहित शिक्षकों की भी समस्याएं दूर होंगी।

डीएमएफ से कोरबा जिला प्रशासन द्वारा पोड़ी-उपरोड़ा विकासखण्ड के ग्राम जामपानी, पहाड़ी कोरवा बाहुल्य क्षेत्र ठिर्रीआमा, ग्राम मिसिया, जजगी, केरहरियापारा, अरसिया, झोंकापारा, पंथीपारा, मुकुवा, केसलपुर, सेनहा, पनगंवा, मांझापारा, सरभोका, मांझापारा-छागर थिला, जटगा, सासिन, कारीमाटी, जलके, पाली, मेरई, पतुरियाडाँड़, गिद्धमूड़ी, चोटिया, सिरमिना, पिपरिया और तुमान में नए स्कूल भवन की मंजूरी प्रदान की गई है। विकासखण्ड करतला के ग्राम खम्हारपारा, साजापानी, केनाभाठा, ठरकपुर, बड़मार, बैगापारा-घिनारा, ढिंटोरी, पकरिया, सेंदरीपाली, सिंधरामपुर, बोकरदा-बेहरचुआ, नवापारा, ठिठोली-चिचोली, पुरैना, पहाड़गांव, बैगामार-चैनपुर, कथरीमाल, डोंगरापारा-जोंगीपाली, मौहाडीह-खरवानी, और धनवारपारा-गिधौरी, पाली विकासखंड में ग्राम डूमरकछार, मांगामार, मादनपारा-मदनपुर, नुनेरा, रतखण्डी एवं अलगीडाँड़ तथा कोरबा विकासखंड के करमन्दी, गुरमा, बरीडीह, बलसेन्धा, बगबुड़ा और कटबितला में स्कूल भवन के लिए प्रशासकीय स्वीकृति प्रदान की गई है। इन स्वीकृतियों में ज्यादातर प्राथमिक स्कूल नवीन भवन (पुराने भवन का विनिष्टिकरण भी) शामिल हैं। कुछ गांवों में माध्यमिक शाला के लिए भवन, अतिरिक्त कक्ष, और प्रयोगशाला कक्ष के साथ ही जीर्णोद्धार कार्यों के लिए भी राशि मंजूर की गई है।

नए भवन स्वीकृत होने पर विद्यार्थी और शिक्षक खुश

जिला प्रशासन द्वारा जर्जर हो चुके स्कूल भवनों के लिए नए भवन स्वीकृत किए जाने पर विद्यार्थियों के साथ शिक्षकों में भी खुशी है। करतला विकासखण्ड के दूरस्थ ग्राम बैगापारा-घिनारा में भी डीएमएफ से प्राथमिक शाला भवन निर्माण की स्वीकृति दी गई है। वहां 38 साल पुराने शीटयुक्त छत वाले भवन में प्राथमिक शाला का संचालन किया जा रहा है। दो कमरों में संचालित इस विद्यालय में 57 विद्यार्थी हैं।

SJU - Contact No. +91 9301915303 E-mail ID- sjunion29@gmail.com
Social Justice Union
Registered with Govt. No. 5526
Join SJU
अधिकार से न्याय तक

आवश्यकता इस संघ का गठनसम्पूर्ण छत्तीसगढ़ में पीड़ितो को न्याय दिलाने के लिए किया गया है, जिसे छत्तीसगढ़ शासन से मान्यता प्राप्त है, जिसका क्रमांक 5526 है, तथा सम्पर्क हेतु नं0 9301915303 है। इस संघ के गठन पर संघ के संरक्षक एवं लीगल एडवाईज़र श्री तथागत श्रीवास्तव (अधिवक्ता, माननीय उच्च-न्यायालय), एवं गर्वनिंग बोर्ड के सदस्यों कु0 सी.बी.वर्मा, श्रीमती ऐकता श्रीवास्तव, श्रीमती रजनी राकुन्डे एवं अन्य ने शासन को धन्यवाद ज्ञापित किया, और कहा कि संघ के पास सामाजिक अन्याय अथवा मानवाधिकार हनन सम्बंधी तथ्य के प्रस्तुत होने पर, उसे लिखित में शासन एवं प्रशासन में विभिन्न महत्वपूर्ण पदों पर आसीन एवं सक्षम व्यक्तियों के समक्ष संघ की ओर से प्रस्तुत किया जावेगा। साथ ही, विधि, न्याय सम्बंधी कार्य हाथ में लेकर बेसहारा, गरीब, परित्यक्ता, विधवाओं के उत्थान के लिए कार्य किया जावेगा।

उद्देश्य एवं नियुक्तियां मुख्य रूप से संघ का उद्देश्य छत्तीसगढ़ प्रदेश के समस्त जिलों एवं ब्लॉक स्तर में सामाजिक न्याय हेतु प्रचार-प्रसार करना, तथा मानवाधिकार हेतु जागरूकता पैदा करना है। संघ साक्षरता एवं अनौपचारिक शिक्षा के माध्यम से मानवाधिकार के सम्बंध में प्रचार प्रसार करना चाहता है। इस हेतु प्रदेश के समस्त जिलों एवं ब्लॉक स्तर पर सामाजिक न्याय एवं मानवाधिकार संरक्षण केन्द्र की स्थापना की जावेगी, और उनमें संघ के द्वारा आधिकारिक नियुक्तियाँ की जावेंगी। प्रत्येक व्यक्ति इस संघ में सदस्य बन सकता है, जिसके लिए संघ के द्वारा निर्धारित नियम एवं शर्तो का पालन किया जाना अनिवार्य है। इस हेतु सदस्यता फार्म संघ के प्रधान कार्यालय में उपलब्ध है।

मुख्य बिन्दु प्रताड़ित एवं पीड़ित व्यक्ति की समस्याओं को सुनना, आवेदन लेना तथा पीड़ित को न्याय दिलाने के लिए उचित साधन एवं संसाधनों की जरूरत के अनुसार व्यवस्था करना मूल रूप से इस संघ का कार्य है। पीड़ित व्यक्तियों को न्यायिक, गैर-न्यायिक एवं सामाजिक समस्या पर विधिनुसार एवं संविधान के अनुसार आवश्यक मदद की जावेगी।

पीड़ित संपर्क करें संघ विशेष रूप से मानवाधिकार दिलाने एवं सामाजिक न्याय प्राप्ति हेतु पीड़ित मानव की हर संभव मदद करेगा तथा इस हेतु पीड़ित मानव के लिए भारतीय संविधान के तहत् विधिक सहायता की व्यवस्था आवश्यकतानुसार करेगा। यदि कोई पीड़ित है तो इस संघ से सम्पर्क कर सकता है।

अन्य बिन्दु
- ● संघ पर्यावरण संरक्षण एवे पर्यावारण सम्बंधी चेतना हेतु भी जागरूकता लाने का प्रयास करेगा।
- ● पूरे छत्तीसगढ़ प्रदेश मे महिलाओं के अधिकार, श्रमिकों के अधिकार, आदिवासियों के अधिकार, अनुसूचित जाति-जनजातियों के अधिकारों के सम्बंध में विधिक एवं संवैधानिक रीति के कार्यक्रमों को इस संघ द्वारा संचालित किया जावेगा तथा प्रत्येक पीड़ित को उसके कर्तव्यों एवं अधिकारों के बारे में सचेत किया जावेगा। न्याय प्राप्ति हेतु हर संभव मदद की जावेगी।
- ● संघ शासन से मान्यता प्राप्त है, अतः शासन एवं प्रशासन में विभिन्न पदों पर आसीन् तक पीड़ित की परेशानी को आसानी से पहुँचाया जा सकता है। इस हेतु संघ शासन एवं प्रशासन में विभिन्न महत्वपूर्ण पदों पर आसीन व्यक्तियों से मुलाकात कर पीड़ित को न्याय दिलाने में समस्त सहायता भी करेगा।
- ● संघ द्वारा संवैधानिक शिक्षा एवं सामाजिक विकास से सम्बंधित रिसर्च कार्यक्रम किए जावेंगे, एवं समान उद्देश्यों वाली अंतर्राष्ट्रीय, राष्ट्रीय, सरकारी तथा गैरसरकारी संस्थाओं के साथ मिलकर काम किया जावेगा।
- ● संघ सामाजिक कुरीतियों को दूर करने के लिए कार्यशाला का आयोजन भी करेगा। संघ देश के भूले बिसरे पर महान विभूतियों के सम्मान में कार्यक्रम भी आयोजित कराएगा।

पढिए ....
न्यायसाक्षी समाचार-पत्र

:: Address ::
Behind Stadium
Near Career
School, Raigarh,
C.G.
Pin 496001

www.nyaysakshi.com

सभी से अपील की गई है कि ज्यादा से ज्यादा संख्या में संघ से जुड़कर साथ का साथ दिया जावे ताकि प्रत्येक पीड़ित मानव को न्याय मिल सके एवं एक अच्छे समाज का निर्माण हो सके।
Join SJU Join SJU Join SJU Join SJU Join SJU